



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1084]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 8, 2019/फाल्गुन 17, 1940

No. 1084]

NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 8th, 2019/PHALGUNA 17, 1940

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड

आदेश

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च, 2019

कठिनाई निवारण

संख्या 3/2019-केन्द्रीय कर

का.आ. 1218(अ).—जहां कि केन्द्रीय माल एवं सेवाकर अधिनियम, 2017 (2017 का 12) (एतश्मिन पश्चात् जिसे उक्त अधिनियम से संदर्भित किया गया है) की धारा 31 की उप धारा (3) के खंड (iii) के तहत यह प्रावधान किया गया है कि ऐसा कोई पंजीकृत व्यक्ति जो कि छूट प्राप्त माल या सेवा या दोनों की आपूर्ति करता हो या धारा 10 के प्रावधानों के अंतर्गत कर का भुगतान करता हो, टैक्स इनवायस के बदले आपूर्ति विल जारी करेगा और इसलिए ऐसा व्यक्ति जो कि उक्त उपवाक्य के दायरे में नहीं आता है को, टैक्स इनवायस जारी करना होगा;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 172 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, जीएसटी परिषद की सिफारिशों के आधार पर, एतद्वारा, कठिनाइयों के निवारण के लिए निम्नलिखित आदेश जारी करती है, यथा:-

1. संक्षिप्त शीर्षक — इस आदेश को माल एवं सेवाकर (कठिनाइयों का तृतीय निवारण) आदेश, 2019 कहा जाएगा।
2. कठिनाइयों के निवारण के लिए, एतद्वारा, स्पष्ट किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 31 की उपधारा (3) के उपवाक्य (ग) के प्रावधान उसी व्यक्ति पर लागू होंगे जो कि अधिसूचना संख्या 2/2019, दिनांक 07.03.2019, जिसे सा.का.नि. संख्या 189 (अ), दिनांक 07 मार्च, 2019 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था, के अंतर्गत कर का भुगतान कर रहा हो।

[फा. सं. 354/25/2019-टीआरयू]

श्रीपार्वती एस.एल., अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)
CENTRAL BOARD OF INDIRECT TAXES AND CUSTOMS
ORDER

New Delhi, the 8th March, 2019
 Removal of Difficulty
 No. 3/2019-Central Tax

S.O. 1218(E).—Whereas, clause (c) of sub-section (3) of section 31 the Central Goods and Services Tax Act, 2017 (12 of 2017) (hereinafter referred to as the said Act) provides that a registered person supplying exempted goods or services or both or paying tax under the provisions of section 10 shall issue, instead of a tax invoice, a bill of supply, and therefore any person not covered by the said clause has to issue a tax invoice;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by section 172 of the said Act, the Central Government, on recommendations of the Council, hereby makes the following Order, to remove the difficulties, namely: —

1. Short title. —This Order may be called the Central Goods and Services Tax (Third Removal of Difficulties) Order, 2019.
2. For the removal of difficulties, it is hereby clarified that provisions of clause (c) of sub-section (3) of section 31 of the said Act shall apply to a person paying tax under Notification No. 2/2019- Central Tax (Rate) dated 07.03.2019 published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. No.189 (E), dated the 7th March, 2019.

[F.No. 354/25/2019-TRU]

DR. SREEPARVATHY S.L., Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, दिनांक 8 मार्च, 2019

कठिनाई निवारण

संख्या 2/2019- संघ राज्यक्षेत्र कर

का.आ. 1219(अ).—जहां कि केंद्रीय माल एवं सेवाकर अधिनियम, 2017 (2017 का 12) (एतश्मिन पश्चात जिसे “उक्त अधिनियम” से संदर्भित किया गया है) की धारा 31 की उप धारा (3) के खंड (iii) के साथ पठित संघ राज्यक्षेत्र माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 14) की धारा 21 के खंड (vii) के तहत यह प्रावधान किया गया है कि ऐसा कोई पंजीकृत व्यक्ति जो कि छूट प्राप्त माल या सेवा या दोनों की आपूर्ति करता हो या उक्त अधिनियम की धारा 10 के प्रावधानों के अंतर्गत कर का भुगतान करता हो, टैक्स इनवायस के बदले आपूर्ति बिल जारी करेगा और इसलिए ऐसा व्यक्ति जो कि उक्त अधिनियम के उक्त खंड के दायरे में नहीं आता है को, टैक्स इनवायस जारी करना होगा;

अतः, अब, संघ राज्यक्षेत्र माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 26 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, जीएसटी परिषद की सिफारिशों के आधार पर, एतद्वारा, कठिनाईयों के निवारण के लिए निम्नलिखित आदेश जारी करती है, यथा:-

1. संक्षिप्त शीर्षक — इस आदेश को माल एवं सेवाकर (कठिनाईयों का द्वितीय निवारण) आदेश, 2019 कहा जाएगा।
2. कठिनाईयों के निवारण के लिए, एतद्वारा, स्पष्ट किया जाता है कि संघ राज्यक्षेत्र माल एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 (2017 का 14) की धारा 21 के खंड (vii) के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 31 की उप धारा (3) के उपवाक्य (ग) के प्रावधान उसी व्यक्ति पर लागू होंगे जो कि अधिसूचना संख्या 2/2019- संघ राज्यक्षेत्र कर (दर), दिनांक 07.03.2019, जिसे सा.का.नि. संख्या 191 (अ), दिनांक 07 मार्च, 2019 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था, के अंतर्गत कर का भुगतान कर रहा हो।

[फा.सं.354/25/2019-टीआरयू]

श्रीपार्वती एस.एल., अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 8th March, 2019

Removal of Difficulty

No. 2/2019-Union Territory Tax

S.O. 1219(E).—Whereas, clause (vii) of section 21 of Union Territory Goods and Services Tax Act, 2017 (14 of 2017) read with clause (c) of sub-section (3) of section 31 the Central Goods and Services Tax Act, 2017 (12 of 2017) (hereinafter referred to as the said Act) provides that a registered person supplying

exempted goods or services or both or paying tax under the provisions of section 10 of the said Act shall issue, instead of a tax invoice, a bill of supply, and therefore any person not covered by the said clause of the said Act has to issue a tax invoice;

Now, Therefore, in exercise of the powers conferred by section 26 of the Union Territory goods and Services Tax Act, 2017, the Central Government, on recommendations of the Council, hereby makes the following Order, to remove the difficulties, namely:—

1. Short title. —This Order may be called the Union Territory goods and Services Tax Act, 2017 (Second Removal of Difficulties) Order, 2019.
2. For the removal of difficulties, it is hereby clarified that provisions of clause (c) of sub-section (3) of section 31 of the said Act read with clause (vii) of section 21 of Union Territory Goods and Services Tax Act, 2017 (14 of 2017) shall apply to a person paying tax under Notification No. 2/2019-Union Territory Tax (Rate) dated 07.03.2019 published in the Gazette of India, Extraordinary, vide number G.S.R. No.191 (E), dated the 7th March, 2019.

[F.No. 354/25/2019-TRU]

DR. SREEPARVATHY S.L., Under Secy.